एक इकाई जिसे क्लिनिक फॉर एडल्ट एंड एल्डरली पर्सन विथ लैंग्वेज डिसऑर्डर्स(CAEPLD) बोलते हैं जो बुजुर्ग व्यक्तियों के संचार विकार का प्रभावी ढ़ंग से आकलन और पुनर्वास करती है।

मनोभ्रंश एक प्रगतिशील विकार है जो आमतौर पर बुजुर्गों में देखा जाता है। इसे अन्य विकारों से अलग निदान कर इसका प्रावधान किया जाता है और साथ ही पुनर्वास के लिए घरेलू प्रशिक्षण गतिविधियों को भी बताया जाता है।

मनोभ्रंश के लिए क्या करें

- उनसे छोटे और सरल वाक्यों में बात करें|
- बात करते समय उपयुक्त चेहरे के भाव और शारीरिक हाव-भाव का उपयोग करें।
- प्रतिक्रिया के लिए प्रतीक्षा करें, उन्हें सोचने के लिए समय दें।
- व्यक्ति की पसंद के अनुसार भोजन, पेय या गतिविधियां पेश करें।
- यदि मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्ति को सुनने में कठिनाई हो, अपनी आवाज का स्वर कम करें और स्पष्ट रूप से बोलें।
- जब हम जोर से बात करते हैं तो हमारी आवाज का स्वर ऊँचा हो जाता है, जो मनोभ्रंश से ग्रसित व्यक्ति को समझने के लिए कठीन होता है या वे सोच सकते हैं कि आप उस पर चिल्ला रहे हैं।

मनोभ्रंश के साथ क्या नहीं करें

- व्यक्ति के आंखों के स्तर पर बात करें।
- उनको पर्याप्त जगह दें।
- उन्हें स्पर्श करने से न डरें।
- एक हल्का आश्वस्त करने वाला हाथ उनके ऊपर रख सकते हैं।
- ज्यादा सवाल न पूछें।

- एक हल्का आश्वस्त करने वाला हाथ उनके ऊपर रख सकते हैं।
- ज्यादा सवाल न पूछें।

> यह अत्यंत आवश्यक है कि मनोभ्रंश के रोगी से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। यह याद रखना आवश्यक है कि मनोभ्रंश से ग्रस्त व्यक्ति इस रोग के बावजूद विशिष्ट एवं अमूल्य होता है।

> मनोभ्रंश के रोगियों को जब पता चलता है कि उनकी मानसिक क्षमताएं कम हो रही हैं तब वे अपने आप को काफी कमजोर समझने लगते हैं एवं आश्वासन और सहायता की अपेक्षा करते हैं।

> उनके करीबी लोग जैसे उनके अभिभावक, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले व्यवसायिक, समाजिक कार्यकर्ता, परिवार एवं मित्रों को उनकी पहचान एवं आत्मसम्मान की भावनाओं को बनाये रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए।

CONTACT US

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

मनोभ्रंश (डिमेंशिया)

संप्रेषण विकृति रोकथाम विभाग, (पी ओ सी डी)

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

(भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

ISO 9001:2005 प्रमाणित

नैमिषम आवरण, मानसगंगोत्री, मैसूरु- 570 006

फ़ोन नंबर: +91-0821 2502703 / 2502575, **टोल फ्री**: 18004255218

ई मेल: director@aiishmysore.in, **वेबसाईट:** www.aiishmysore.in

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) क्या है।

मनोभ्रंश(**डिमेंशिया**) संज्ञात्मक कार्यप्रणाली में गंभीर नुकसान को संदर्भित करता है जो की सामान्य उम्र बढ़ने के साथ देखा जाता है, जिससे व्यक्ति को सोचने और तर्क करने में समस्या होती है । मनोभ्रंश तब होता है जब मस्तिष्क के वह हिस्से क्षतिग्रस्त होते हैं जो स्मृति, सीखने, निर्णय लेने और भाषा के लिए जिम्मेदार हैं। कारण के आधार पर मनोभ्रंस प्रतिव्रती (इलाज और सुधार किया जा सकता है) या अपरिवर्तनीय (स्थिति में सुधार नही हो सकता) हो सकता है। मादक द्रव्यों (दवाओं और ज़हरीला पदार्थ के सेवन) के सेवन से और अवसाद के कारण हुऐ मनोभ्रंश को प्रभावी ढंग से इलाज़ किया जा सकता है। हालांकि मनोभ्रंश के अन्य रूप जैसे कि अल्जाइमर रोग आमतौर पर प्रगतिशील और अपरिवर्तनीय होता है।

मनोभ्रंश के सामान्य लक्षण

- हाल ही में किए गए कार्यों को भूल जाना जो व्यक्ति की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है।
- परिचित कार्यों को करने में कठिनाई।
- भाषा के साथ कठिनाई।
- समय एवं स्थान का संभ्रम।
- निर्णय लेने की क्षमता में कठिनाई।
- काल्पनिक एवं समान्य विचारों के साथ समस्या।
- वस्तुओं को ग़लत जगह पर रखना।
- व्यक्तित्व में बदलाव।
- पहल करने में कठिनाई या व्यवहार में बदलाव।

मनोभ्रंश के कारण एवं नुकसानदायक कारक क्या हैं?

ऐसी कई स्थितियां हैं जो मनोभ्रंश का कारण बन सकती हैं।

- रक्त धमनी का रोग
- डिप्रेशन
- थायराइड की समस्या
- अल्जाइमर, पार्किंसन जैसे रोग
- संक्रामक रोग
- शराब का अतिसेवन
- ब्रेन ट्यूमर
- आघात/ क्षतिसँकर्मक रोग

बढ़ती उम्र, हृदय वाहिका संबंधित कारक जैसे उच्च रक्तचाप एवं कभी कभार आनुवांशिक कारण भी मनोभ्रंश होने में उत्तरदायी होते हैं।

मनोभ्रंश का निदान

- मनोभ्रंश के निदान हेतु चिकित्सा, न्यूरोसाइकोलॉजिकल, ज्ञानात्मक और संचार क्षमता की संपूर्ण जाँच होनी चाहिए।
- सबसे पहले अगर व्यक्ति को ज्ञानात्मक समस्या है तो इसका पता लगाना चाहिए कि वो कितनी गम्भीर है।
- अगला कदम रोग के कारण का पता लगाना होना चाहिए ताकि सही उपचार देकर परिवार एवं सँभालने वालो को भविष्य में योजना बनाने में सहायक हो सके।

मनोभ्रंश का इलाज

- औषधि एवं गैर औषधि दोनों महत्वपूर्ण हैं।
- कई दवाएं मनोभ्रंश के लक्षणों को धीमी करती है परंतु पूरा इलाज नहीं देती हैं । प्रायः व्यवहारिक उपायों की सहायता से व्यक्ति को महत्वपूर्ण जानकारी या दैनिक गतिविधियों को याद करवाया जा सकता है।
- वाक-भाषा रोगविज्ञानी विभिन्न युक्तियो द्वारा मनोभ्रंश के रोगी का सम्प्रेषण एवं संज्ञानात्मक कार्यो को लंबे समय तक बनाये रखने में सहायक हो सकता है।

मनोभ्रंश रोगी के लिए अखिल भारतीय वाक एवं श्रवण संस्थान (AIISH) में उपलब्ध सुविधाएं

अखिल भारतीय वाक् और श्रवण संस्थान, मनोभ्रंश के इलाज के लिए उपकरण और प्रोधोगिकी से पूर्ण है।